विषयानुक्रमणिका

क्रमाङ्कः	विषयः	पृष्ठसंख्या
1.	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः परिचयः Introduction of C.V.V.E.T.	2
2.	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः सम्बद्धविश्वविद्यालयानां परिचयः Introduction of Universites related to C.V.V.E.T.	2
3.	शोधोपाधेः नाम Name of the Degree	5
4.	उपलब्धस्थानसंख्या Available Seats	6
5.	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाकृते अर्हता Eligibility for CVVET	7
6.	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाविषयिका कार्यतालिका Work schedule for C.V.V.E.T.	9
7.	आवेदनपत्रसहितायाः विवरणिकायाः प्राप्तिस्थानम् Availability of Guidelines booklet alongwith application form	10
8.	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाकेन्द्राणि Centres of CVVET examination	11
9.	आवेदनात् पूर्वं ध्यातव्यानि तथ्यानि Important points to be noted before applying	13
10.	विशेषटिप्पणी Special note	14
11.	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः पाठ्यक्रमः, स्वरूपञ्च Syllabus and design of C.V.V.E.T.	14
12.	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाम् उत्तीर्णतायै अपेक्षिताङ्कःप्रतिशतम् Minimum Pass percentage required for passing C.V.V.E.T.	21
13.	छात्रवृत्तिः scholarship	21
14.	प्रश्नपत्रस्य उदाहरणम् Sample of Question Paper	22
15.	आवेदनपत्रविषयकाणि आवश्यकतथ्यानि Important points for filling the application form	24
16.	आवेदनपत्रम् अ, ब, स Application form A, B, & C	

1. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षापरिचयः

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा परिचय

Introduction of Combined Vidya-Varidhi (Ph.D.) Entrance Test

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा (2014-15) अधोलिखितेषु त्रिषु विश्वविद्यालयेषु विद्यावारिधिपाठ्यक्रमे प्रवेशार्थं सम्पत्यते। अतः यत्र प्रवेशः इष्यते तदनुसारम् आवेदनपत्रे विश्वविद्यालयस्य नामोल्लेखनं करणीयम्।

1. राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् - तदीय द्वादशपरिसरेषु
2. राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम् - तिरुपतिः
3. श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्, कटवारिया सराय, नवदेहली।

यह संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा (2014-15) निम्नलिखित तीन विश्वविद्यालयों में विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए है। अतः जहाँ आप प्रवेश चाहते हैं, तदनुसार आवेदन पत्र में विश्वविद्यालय का नाम लिखिए।

1. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थानम् - बारह परिसरों में
2. राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठम् - तिरुपति
3. श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्, कटवारिया सराय, नई देहली।

This Combined Vidya Varidhi Entrance Test (2014-15) is meant for admission into Vidya-Varidhi course in the following three Universities. Hence the name of the concerned University must be mentioned in the application form where the admission is desired

1. Rashtriya Sanskrit Sansthan – in H. Q. and in its 11 Campuses.
2. Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth – Tirupati
3. Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha,
   B-4 Qutub Institutional Area Katwaria Sarai, New Delhi

2. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः; सम्बद्धविश्वविद्यालयानां संक्षिप्तः परिचयः
संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा, सम्बद्धविश्वविद्यालयों का संक्षिप्त परिचय
Introduction of Universities concerned with Combined Vidya-Varidhi Entrance Test

अ. राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली (मानितविश्वविद्यालयः)

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् भारतसर्वकारेण संस्कृतायोगस्य (1956-57) अनुशंसानुसारं संस्कृतस्य विकासार्थं प्रचारप्रसारार्थम् च केन्द्रीयसर्वकारस्य संस्कृतविषयकनीतीनां कार्यक्रमाणाञ्च क्रियान्वयनार्थं 15 अक्टूबर 1970 तमे दिनाङ्के स्वायत्तसङ्घटनरूपेण संस्थापिता संस्था अस्ति। मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयद्वारा 07-05-2002 इति दिनाङ्के संस्थेयं बहुपरिसरीयमानितविश्वविद्यालयरूपेण आघोषिता। एषा संस्था राष्ट्रियाध्यापकशिक्षापरिषदा, विश्वविद्यालयानुदानायोगेन, अखिलभारतीयविश्वविद्यालयसंघेन अपि मान्यताप्राप्ता वर्तते।

देशस्य विभिन्नेषु भागेषु स्थितेषु अस्य एकादशपरिसरेषु प्राक्शास्त्रितः आरभ्य आचार्य/विद्यावारिधिपर्यन्तम् अध्ययनार्थं सुविधाः उपलब्धाः सन्ति। वर्तमाने अस्य दशपरिसरेषु शिक्षाशास्त्रिपाठ्यक्रमः, शिक्षाचार्यपाठ्यक्रमः अपि प्रवर्तते यत्र प्रवेशः संयुक्तशिक्षाशास्त्रिपरीक्षामाध्यमेन, संयुक्तपूर्वशिक्षाचार्यपरीक्षामाध्यमेन च दीयते।

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान, नई दिल्ली, (मानितविश्वविद्यालय)

भारत सरकार ने संस्कृत आयोग (1956-1957) की अनुशंसा के आधार पर संस्कृत के विकास तथा प्रचार-प्रसार हेतु संस्कृत से सम्बद्ध केन्द्र सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के उद्देश्य से 15 अक्तूबर 1970 को एक स्वायत्त संगठन के रूप में राष्ट्रियसंस्कृत संस्थान की स्थापना की। 7 मई, 2002 को मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार ने इसे बहुपरिसरीय मानित विश्वविद्यालय के रूप में घोषित किया।

यह संस्था राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, विश्वविद्यालय अनुदान-आयोग एवं अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा भी मान्यता प्राप्त है।

देश के विभिन्न भागों में स्थित इसके ग्यारह परिसरों में प्राक्शास्त्री से लेकर आचार्य/विद्यावारिधि (पी.एच.डी) पर्यन्त अध्ययन की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसके दस परिसरों में शिक्षाशास्त्रीपाठ्यक्रम तथा शिक्षाचार्यपाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं, जिनमें संयुक्त पूर्वशिक्षाशास्त्रीपरीक्षा तथा संयुक्तपूर्वशिक्षाचार्यपरीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है।

Rashtriya Sanskrit Sansthan New Delhi (Deemed University)

The Government of India in pursuance of the recommendations of the Sanskrit Commission (1956-1957) established the Rashtriya Sanskrit Sansthan on 15th October 1970 as an autonomous organization for the purpose of implementing the policies and programmes of the Central Government for the development, propagation and promotion of Sanskrit. The Ministry of Human Resource Development, Govt. of India has declared it as Deemed University on 7th May, 2002.

This organisation is also duly recognized by NCTE, U.G.C. and All India Association of Indian Universities.

In its various campuses facilities for the study of courses from Prak Shastri to Acharya/ Vidya-Varidhi (Ph.D.) are available.

In its ten campuses Shiksha Shastri (B.Ed.) course and Shiksha-Acharya course (M.Ed.) is also provided to which admission is given on the basis of Combined Pre-Shiksha Shastri Test (C.S.S.E.T.). and combined Pre-Shiksha-Acharya Test (CSSAT)

ब. राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्, (मानितविश्वविद्यालयः) तिरुपतिः

आन्ध्रप्रदेशे तिरुमलापर्वतपादतले स्थितं राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठं भारतसर्वकारेण गठितस्य केन्द्रीयसंस्कृतायोगस्य अनुशंसानुसारं 1961 तमे वर्षे पारम्परिकसंस्कृतसाहित्यस्य आधुनिकशोधशैल्या प्रचारप्रसारार्थं तिरुपतौ संस्थापितम्। अप्रैल 1971 तमे वर्षे राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य संरक्षणे एषा संस्था शिक्षामन्त्रालयेन प्रतिष्ठापिता। 1987 तमे वर्षे विश्वविद्यालयानुदानायोगस्य यू.जी.सी. अधिनियम 1956 इत्यनुसारम् एतद् विद्यापीठं मानितविश्वविद्यालयः इति आघोषितम्। अत्र प्राक्शास्त्रितः आरभ्य आचार्य-विशिष्टाचार्य-विद्यावारिधिपर्यन्तम् अध्ययनार्थम्, शिक्षाशास्त्रि-शिक्षाचार्य-शिक्षाशोध-कार्यक्रमाणाम् अध्यापनार्थञ्च प्रशिक्षणसुविधाः उपलभ्यन्ते। एषा संस्था एन्.सी.टी.ई, यू.जी.सी. एवं अ. भा. वि. विद्यालयसंघेन अपि मान्यताप्राप्ता वर्तते।

राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम् (मानितविश्वविद्यालय) तिरुपति

आन्ध्र प्रदेश में तिरुमलापर्वत मूल में स्थित राष्ट्रीयसंस्कृतविद्यापीठ भारतसरकार द्वारा गठित केन्द्रीय संस्कृत आयोग की अनुशंसा के अनुसार 1061 में पारम्परिकसंस्कृतसाहित्य के आधुनिक शोधशैली से प्रचार प्रसार के लिए तिरुपति में स्थापित किया गया। अप्रैल 1971 वर्ष में राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान के संरक्षण में यह संस्था शिक्षामन्त्रालय के द्वारा प्रतिष्ठापित की गई। 1987 वें वर्ष में विश्वविद्यालय-अनुदान-आयोग के यू.जी.सी. अधिनियम 1956 के अनुसार यह विद्यापीठ मानितविश्वविद्यालय

घोषित किया गया। यहाँ प्राक्शास्त्री से लेकर आचार्य, विशिष्टाचार्य, विद्यावारिधि तक तथा शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य, शिक्षाशोधकार्यक्रमों के अध्यापन के लिए प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यह संस्था एन्.सी.टी.ई.यू.जी.सी. एवं अ.भा.वि. विद्यालयसंघ से भी मान्यताप्राप्त है।

Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha (Deemed University) Tirupati.

Located at the fect of Tirumala hills in Andhra Pradesh, the Vidyapeetha was established at Tirupati in 1961 by the Govt of Inida on the recommendations of the Sanskrit commission 1957 for the study of traditional Sanskrit literature through modern research methodology. In April 1970, this institution was established by the Ministry of Education under the protection of Rashtriya Sanskrit Sansthan. In 1987 the vidyapeetha was declared as Deemed University by the Govt. of India as per U.G.C. act 1956. Here teaching facilities are available for the study of courses ranging from Prak-shastri/ Acharya/M.Phil./ Ph.D., Shiksha Shastri (B.Ed.), master in Education (M.Ed.) Ph.D. (Edu.) etc. This organisation is duly recognized by N.C.T.E. U.G.C. and A.I.U.

स. श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्, (मानितविश्वविद्यालयः) कटवारियासराय नवदेहली

भारतराजधान्याम् अन्ताराष्ट्रियसंस्कृतविद्याकेन्द्रस्य आवश्यकतां पूरयितुम् अस्याः संस्थायाः पञ्जीकरणं श्रीमतां लालबहादुरशस्त्रिवर्याणामाध्यक्ष्ये 28.10.1963 तमे ख्रीष्टाब्दे समभवत्। 1970 ख्रिष्टाब्दादारभ्य राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्याधीनं इदं विद्यापीठं 01.13.1991 तमे ख्रिष्टाब्दे श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठं मानितविश्वविद्यालयरूपेण भारतशासनस्य अधिसूचनानुसारं प्रवर्तते। विद्यापीठेऽस्मिन् विभिन्नशास्त्रीयेषु विषयेषु शास्त्री (बी.ए.) आचार्यः(एम.ए.) विद्यावारिधिः (पीएच्.डी.) इत्यादिभिः पाठ्यक्रमैस्सह शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) शिक्षाचार्यश्च (एम.एड्.) पाठ्यक्रमः प्रवर्तते। एषा संस्था राष्ट्रियाध्यापकशिक्षापरिषदा विश्वविद्यालयानुदायोगेन अखिलभारतीयविश्वविद्यालयसंघेन च अङ्गीकृता।

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ, (मानितविश्वविद्यालय) कटवारिया सराय, नई दिल्ली

भारत की राजधानी में एक अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षाकेन्द्र के अभाव की पूर्ति के उद्देश्य से 28 अक्टूबर 1963 को श्रीलालबहादुरशास्त्रीजी की अध्यक्षता में इस संस्था का पंजीयन किया गया। 1970 ई० से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अधीन तथा 1.13.1991 से श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ भारत सरकार की अधिसूचना के अनुसार मानित विश्वविद्यालय के रूप में कार्य कर रहा है। यह विश्वविद्यालय विभिन्न शास्त्रीय विषयों–शास्त्री (B.A.), आचार्य (M.A.), विद्यावारिधि (Ph.D.) के अतिरिक्त शिक्षाशास्त्री (B.Ed.), शिक्षाचार्य (M.Ed.) पाठ्यक्रमों को भी सञ्चालित करता है। यह संस्था राष्ट्रिय अध्यापक शिक्षा परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा अखिल भारतीय विश्वविद्यालयसंघ द्वारा भी मान्यता प्राप्त है।

Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, Katavaria Sarai, New Delhi

Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth was established in order to fulfil the need of an international Centre for Sanskrit Studies. It got registered on 1963, 28th October under the Presidentship of Hon'ble Lal Bahadur Shastri. Since 1970 the Vidyapeetha functioned under Rashtriya Sanskrit Sansthan and was declared as a Deemed University by the Govt. of India on 01.13.1991. Vidyapeetha runs various courses from Shastri (B.A.), Acharya (M.A.) to Vidyavaridhi (Ph.D.) including Shiksha Shastri (B.Ed.), Shikshacharya (M.Ed.). The Vidyapeetha is duly recognized by N.C.T.E., UGC and Association of Indian Universities.

3. शोधोपाधेः नाम विषयाश्च-

अस्य शोधोपाधेः नाम विद्यावारिधिः इति विद्यते। अस्य प्रमाणपत्रं आङ्ग्लभाषानुवादसहितेन संस्कृतेन सम्बद्ध-विश्वविद्यालयस्य दीक्षान्तसमारोहे/ अन्यस्मिन् कस्मिंश्चित् समारोहे वा प्रदास्यते। एषः उपाधिः अन्यविश्वविद्यालयेषु Ph.D. इति नाम्ना मान्यताप्राप्तः अस्ति।

अधोलिखिताः विषयाः विद्यावारिधिपाठयक्रमस्य भवितुमर्हन्ति-

1. साहित्यम् 2. प्राचीन व्याकरणम् 3. नव्यव्याकरणम् 4. फलित ज्योतिषम् 5. सिद्धान्त ज्यौतिषम्, 6. प्राचीन न्यायवैशेषिकम्, 7. नव्यन्यायः 8. अद्वैतवेदान्तः, 9. विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, 10. द्वैतवेदान्तः, 11. आगमः, 12. मीमांसा, 13. साङ्ख्ययोगः, 14. सर्वदर्शनम्, 15. बौद्धदर्शनम्, 16. जैनदर्शनम्, 17. धर्मशास्त्रम्, 18. पुराणेतिहासः, 19, वेदः (सामान्यध्ययनम्), 20. शुक्लयजुर्वेदः, 21. पौरोहित्यम् (कर्मकाण्डः), 22. सामान्यसंस्कृतम्, 23. शाब्दबोधः (व्याकरण-न्याय-मीमांसानुसारेण), 24. द्वैताद्वैतवेदान्तः, 25. शिक्षाशास्त्रम्, 26. काश्मीरशैवदर्शनम्, 27. वास्तुशास्त्रम्

शोधोपाधि का नाम एवं विषय

इस शोधोपाधि का नाम विद्यावारिधि है। इसका प्रमाणपत्र अंग्रेजी भाषा में अनुवाद सहित संस्कृत भाषा में सम्बद्ध विश्वविद्यालयों के दीक्षान्त समारोह/ अन्य किसी समारोह में प्रदान किया जाएगा। यह उपाधि अन्य विश्वविद्यालयों में Ph.D. नाम से मान्यता प्राप्त है।

1. साहित्य, 2. प्राचीन व्याकरण, 3. नव्यव्याकरण, 4. फलित ज्योतिष, 5. सिद्धान्त ज्यौतिष, 6. प्राचीन न्यायवैशेषिक, 7. नव्यन्याय 8. अद्वैतवेदान्त, 9. विशिष्टाद्वैतवेदान्त, 10. द्वैतवेदान्त, 11. आगम, 12. मीमांसा, 13. साङ्ख्ययोग, 14. सर्वदर्शन, 15. बौद्धदर्शन, 16. जैनदर्शन, 17. धर्मशास्त्र, 18. पुराणेतिहास, 19, वेद (सामान्यध्ययन), 20. शुक्लयजुर्वेद, 21. पौरोहित्य (कर्मकाण्ड), 22. सामान्य संस्कृत, 23. शाब्दबोध (व्याकरण, न्याय, मीमांसा के अनुसार), 24. द्वैताद्वैतवेदान्त, 25. शिक्षाशास्त्र, 26. काश्मीरशैवदर्शन, 27. वास्तुशास्त्र

Name of the Degree and Subjects

This degree in research is known as Vidya-Varidhi. Its degree printed in Sanskrit alongwith English Translation shall be awarded at the time of convocation or any other programme organised by the concerned Universities. The degree has been recognized as equivalent to the degree of Ph.D. awarded by other Universities.

Offered in the following Subjects/Area.

1. Sahitya; 2. Prachina Vyakarana; 3. Navya Vyakarana; 4. Phalita Jyotisha; 5. Sidhanta Jyotisha; 6. Prachina Nyayaviseshikam; 7. Navya Nyaya; 8. Advaita Vedanta; 9. Visistadvaita Vedanta; 10. Dvaita Vedanta; 11. Agama; 12. Mimamsa; 13. Sankya Yoga; 14. Savadarsana; 15. Boudha Darsana; 16. Jaina Darsana; 17. Dharma Sastra; 18. Puranetihasa; 19. Vedic Studies; 20. Sukla Yajurveda; 21. Pourohitya; 22. General Sanskrit Studies; 23. Shabdabodha Systems (alied subjects i.e. Vyakrana, Nyaya, Mimamsa), 24. Dvaitadvaitavedanta; 25. Education and 26. Kashmirshavadarshana, 27. Vastushastra

4. उपलब्ध स्थानसंख्या

यू. जी. सी इति आयोगस्य निर्देशानुसारम् उपलब्धाचार्यसंख्यानुसारं शोधार्थिनां कृते प्रतिविश्वविद्यालयम् अधोलिखितानि स्थानानि विद्यन्ते-

अ.	राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थाने मुख्यालयेन सह अस्य द्वादशपरिसरेषु	प्राय: 800 स्थानानि रिक्तानि
ब.	राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठे तिरुपतौ	प्राय: 100 स्थानानि रिक्तानि
स.	श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठे नवदेहल्याम्	प्राय: 150 स्थानानि रिक्तानि

प्रतिपदं शोधार्थिसंख्या अधोलिखितानुसारं विद्यते-

(i)	आचार्यकृते	10
(ii)	उपाचार्यकृते/ शैक्षणिकाधिकारिकृते	8
(iii)	सहायकाचार्यकृते	6

विभागीय-/स्थानीयशोधसमिते: अनुशंसानुसारम् अथवा अन्यापरिहार्यकारणै: विश्वविद्यालयस्य कुलपति: अस्यां संख्यायां परिवर्तनमपि कर्तुं शक्नोति।

उपलब्ध स्थानसंख्या

यू. जी. सी. आयोग की अनुशंसा के नियमानुसार उपलब्ध आचार्यो की संख्या के अनुरूप शोधार्थियों के लिए प्रतिविश्वविद्यालय निम्नलिखित स्थान उपलब्ध हैं-

अ.	राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान के मुख्यालय एवं इसके 12 परिसरों में	प्राय: 800 स्थान रिक्त
ब.	राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ तिरुपति में	प्राय: 100 स्थान रिक्त
स.	श्री. लालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ नई दिल्ली में	प्राय: 150 स्थान रिक्त

प्रतिपद शोधार्थिसंख्या निम्नलिखितानुसार है-

(i)	प्रति आचार्य	10
(ii)	प्रति उपाचार्य/ शैक्षणिक-अधिकारी	8
(iii)	प्रति सहायकाचार्य	6

विभागीय/ स्थानीय शोधसमिति की अनुशंसा के अनुसार अथवा अन्य किन्हीं अपरिहार्य-कारणों से विश्वविद्यालय के कुलपति इस संख्या में परिवर्तन भी कर सकते हैं।

No. of Available seats

As per rules and regulations of U.G.C. The following no. of seats are available in each University as per the staff–

a. In Rashtriya Sanskrit Sansthan–In its H.Q. and 11 Campuses (Approximately 800 Seats)

b. In Rashtritya Sanskrit Vidyapeetha –Tirupati (Approximately 100 Seats available)

c. In Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha New Delhi (Approximately 150 Seats available)

The no. of research candidates allowed under each post is as follows.

(i)	Per Professer	10

(ii) Per Asstt. Professer/ Education Officer 8

(iii) Per Asstt. Professer 6

The Vice-Chanceller can marginally change the number as per the recommendations of the Departmental/ Local Research Committee or due to any other unavoidable circumstances.

5. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाकृते अर्हता

5.1 ते सर्वे अभ्यर्थिनः ये संस्कृतसम्बद्धे कस्मिंश्चिद् विषये स्नातकोत्तरपरीक्षायां; विश्वविद्यालयानुदानायोगेन मान्यताप्राप्तविश्वविद्यालयात् अथवा मानितविश्वविद्यालयात् न्यूनतमान् पञ्चपञ्चाशत् (55%) प्रतिशतम् अङ्कान् प्राप्य उत्तीर्णाः स्युः, संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाकृते अर्हाः भविष्यन्ति। ये शिक्षाशास्त्रविषये आवेदनं कर्त्तुमभिलषन्ति तेषां संस्कृतस्नातकोत्तर-(एम. ए. संस्कृत/आचार्य) परीक्षायां 55% अङ्कैः सह शिक्षाचार्ये अथवा तत्समकक्षे उपाधौ 55 % अङ्काः अपेक्षिताः सन्ति।

5.2 अनुसूचितजातीनाम् अनुसूचितजनजातीनां अन्यथा सक्षमाणाम् अभ्यर्थिनां कृते संस्कृतविषयसम्बद्धायाम् आचार्यपरीक्षायाम् न्यूनतमानां 50% अङ्कानाम् उपलब्धिः अपि मान्या भविष्यति।

5.3 प्रवेशपरीक्षासम्बद्धविश्वविद्यालयानाम् अनुसन्धानेच्छुकाः अध्यापकाः, यैः आचार्यतत्समकक्षपरीक्षायां पञ्चपञ्चाशत् प्रतिशतम् अङ्काः प्राप्ताः तेऽपि संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः कृते आवेदनार्थम् अर्हाः भविष्यन्ति। तेषां प्रवेशोऽपि यू०जी०सी० नियमानुसारमेव भविष्यति।

5.4 विदेशीयाभ्यर्थिनः यैः कस्मादपि मान्यताप्राप्तविदेशीयविश्वविद्यालयात् संस्कृते/ संस्कृतसम्बद्धविषये वा न्यूनतमपञ्चपञ्चाशत्प्रतिशतम् अङ्काः प्राप्ताः तेऽपि भारतसर्वकारस्य विदेशविभागस्य मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयस्य माध्यमेन संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाकृते आवेदनं कर्तुम् अर्हाः भविष्यन्ति।

5.5 संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायां तेऽपि अभ्यर्थिनः अर्हाः भविष्यन्ति, यैः स्नातकोत्तरपरीक्षा तु प्रदत्ता परन्तु येषाम् परिणामः घोषितः न स्यात्। एतैः अभ्यर्थिभिः पञ्जीकरणात् पूर्वम् निर्धारितयोग्यतानुरूपम् अङ्कपत्रम् अवश्यमेव प्रस्तोतव्यम्।

5.6 संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षायाः प्रथमखण्डस्य परीक्षा सर्वेभ्यः अर्हच्छात्रेभ्यः अनिवार्या अस्ति। ये अर्हच्छात्राः विश्वविद्यालयानुदानायोगेन सञ्चालितायां संस्कृतभाषायाम् नेट/ जे आर्. एफ्/ एन्. ई. एफ्/ जे.आर टी विद्यावारिधि (पी.एच.डी व एम. फिल.) परीक्षोत्तीर्णाः सन्ति तेषां कृते अपि सं. वि. प्र. परीक्षायाः प्रथम खण्डस्य प्रवेश परीक्षा अनिवार्या अस्ति। द्वितीय खण्डस्य अनिवार्यता नास्ति।

5.7 भारतशासनस्य नियमानुसारम् आरक्षणनीतेः पालनं करिष्यते।

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा के लिए अर्हता

5.1 वे सभी विद्यार्थी जो संस्कृत के किसी भी विषय में आचार्य/एम.ए. (संस्कृत), (तत्समकक्ष उपाधि), संस्थान के परिसरों, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, मानितविश्वविद्यालयों से कम से कम 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण हों वे सभी संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। जो शिक्षाशास्त्र में आवेदन करना चाहते हैं उन्हें शिक्षाआचार्य (एम.एड्.) अथवा तत् समकक्ष शिक्षाशास्त्र की स्नातकोत्तर उपाधि में 55% अंकों के साथ-साथ एम.ए. संस्कृत अथवा आचार्य में भी 55% अंक होने चाहिए।

5.2 अनुसूचितजाति/ अनुसूचितजनजाति/ अन्यथा सक्षम अभ्यर्थियों के लिए संस्कृत विषय सम्बद्ध आचार्यपरीक्षा में न्यूनतम (50%) अङ्कों की उपलब्धि भी मान्य होगी।

5.3 संस्थान के परिसरों/सम्बद्ध महाविद्यालयों/विद्यालयों के अध्यापक, अनुसन्धाता जिन्होंने आचार्य अथवा एम. ए. संस्कृत परीक्षा 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है वे भी सं. वि. वा. परीक्षा हेतु आवेदन कर सकते हैं। उनका प्रवेश भी यू० जी० सी० नियमानुसार होगा।

5.4 विदेशी विद्यार्थी, जिन्होंने भारत के बाहर किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से, संस्कृत में, अथवा संस्कृत सम्बद्ध किसी शाखा में, स्नातकोत्तर उपाधि, न्यूनतम 55% अंक के साथ अथवा उसके समान श्रेणी में उत्तीर्ण की हो, वे सभी भारत-सरकार के **विदेश-विभाग** एवं **मानव-संसाधन-विकास-मन्त्राालय** के माध्यम से सं. वि. वा. प्र. परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

5.5. इस परीक्षा के लिए ऐसे विद्यार्थी भी योग्य माने जायेंगे जिन्होंने स्नातकोत्तर परीक्षा दी हो किन्तु परिणाम घोषित न हुआ हो। ऐसे छात्रों को, पञ्जीकरण के पूर्व, निर्धारित योग्यता के अनुरूप अंकपत्र (आवश्यक प्रतिशत के साथ) जमा करना अनिवार्य होगा।

5.6. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सञ्चालित संस्कृत में NET, JRF/ Lecturership परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र के लिए संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा में केवल प्रथम खण्ड की परीक्षा अनिवार्य है, द्वितीय खण्ड की नहीं। विद्यावारिधि (पीएच.डी) व एम्.फिल परीक्षोत्रीर्णछात्रों के लिए भी सं.वि.वा. प्रवेशपरीक्षा प्रथम खण्ड अनिवार्य है।

5.7 भारत शासन के नियमानुसार आरक्षणनीति का पालन किया जायेगा।

Eligibility for entering the Combined V.V.E. Test.

All those candidates who want to appear in C.V.V. Entrance Test should be

5.1 Acharya/M.A. (Sanskrit) or having an equivalent degree from Universities, duly recognised by University Grants Commission/Deemed Universities obtaining at least 55% marks in aggregate shall be permitted to apply for the C.V.V. Entrance Test. Those who wish to appear in Education should have M.A. Sanskrit with 55% of Marks along with Shiksha Acharya (M.Ed.) or equivalent P.G. Degree in Education with 55% of Marks.

5.2 For Candidates belonging to S.C/ S.T./ otherwise able catagories, minimum 50% marks in M.A. Sanskrit/ Sanskrit related subjects shall also be considered as eligible.

5.3 Teachers/researchers working in the C.V.V.E. Test related Universities /affiliated colleges/ schools can also apply for the test if they have obtained at least 55% marks in the aggregate in Acharya/M.A. (Sanskrit) examination. Admission will be given as per U.G.C. rule.

5.4. All those N.R.I. candidates who have passed Acharya/M.A. (Sanskrit) with 55% marks in the aggregate from any Deemed University outside India can also apply for the C.V.V. E.T. through the foreign department of the Govt. of India or the Ministry of Human Resource Development.

5.5 For appearing in the test, such candidates also shall be considered eligible who have appeared in Acharya/M.A. Sanskrit examination but their result is awaited. Such candidates shall be required to submit their mark-sheets showing the prescribed percentage of marks required for the registration, before the admission.

5.6 Those eligible candidates who have cleared NET/JRF/ Lectureship test are also required to appear in the C.V.V.E. Test Part A only.

5.7 Reservation policy of G.O.I. shall be followed.

6. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः कार्यतालिका

6.1	विज्ञापनम् परीक्षाविभागतः	प्रतिष्ठितसमाचारपत्राणां रोजगारसमाचार पत्राणां/ वेबसाइट इत्यस्य च माध्यमेन परीक्षायाः आयोजनविषयिणीं सूचनां प्रकाशयिष्यति।
6.2	आवेदनपत्रप्राप्तितिथिः	राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य मुख्यालयात्, परिसरेभ्यः सम्बद्धविश्वविद्यालयेभ्यः स्वयम् अथवा डिमाण्डड्राफ्टमाध्यमेन डाकद्वारा संस्थानमुख्यालये निर्धारितं शुल्कं प्रेषयित्वा 10 जून 2014 तः 5 जुलाई 2014 पर्यन्तम् आवेदनपत्रं प्राप्तुं शक्यते।
6.3	आवेदनपत्रप्रत्यर्पणाय अन्तिमतिथिः	सर्वथापरिपूर्णानि आवेदनपत्राणि संस्थानस्य मुख्यालये 5 जुलाई 2014 इति तिथिपर्यन्तं सायं पञ्चवादनं यावत् प्रत्यर्पणीयानि। केनापि कारणेन विलम्बेन प्राप्तानि आवेदनपत्राणि परीक्षाकृते अनर्हाणि भविष्यन्ति।
6.4	**परीक्षातिथिः**	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाकृते तिथिः 19 जुलाई 2014 अस्ति।
6.5	परीक्षासमयः (प्रथम भाग कृते) (द्वितीय भाग कृते)	प्रातः 10.00–11.30 प्रातः 11.40– 1.10 वादनपर्यन्तं भविष्यति।

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा की कार्यतालिका

6.1.	विज्ञापन	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान समाचारपत्रों/ प्रतिष्ठित रोजगार समाचार के माध्यम से, वेबसाइट के माध्यम से परीक्षा के आयोजन की विस्तृत सूचना विज्ञापित करेगा।
6.2.	आवेदनपत्रप्राप्त प्राप्त करने की तिथि–	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अथवा परिसरों से सं. वि. वा. प्र. परीक्षा से सम्बद्धविश्वविद्यालयों से आवेदन पत्र, सीधे अथवा डाक के माध्यम से, शुल्क, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के पक्ष में/ डिमाण्ड ड्राफ्ट द्वारा भेज कर, 10 जून 2014 से 5 जुलाई 2014 तक सायं 4.00 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं।
6.3	आवेदनपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि	सर्वथा परिपूर्ण आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 5 जुलाई 2014 सायं 5.30 बजे तक होगी। किसी कारण से भी, विलम्ब से प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों को परीक्षा हेतु सम्मिलित नहीं किया जा सकेगा।
6.4.	परीक्षा तिथि	लिखित परीक्षा का आयोजन 19 जुलाई 2014 को किया जाएगा।
6.5.	परीक्षा समय प्रथमभाग द्वितीय भाग	प्रातः 10.00 बजे से 11.30 बजे तक होगा 11.40 से 01.10 तक

6. The schedule of C.V.V.E. Test

6.1	Advertisement	Rashtriya Sanskrit Sansthan shall publicise the schedule of C.V.V.E Test through the reputed papers and also through websites. The concerned information can be obtained from there.
6.2	Dates of obtaining the Applicaton forms	Application forms for the CVVET shall be available w.e.f. 10.06.2014 to 05.07.2014 upto 4.00 P.M. by depositing the required amount of fees either by self or by post through Demand Draft payable in f/o the Rashtriya Sanskrit Sansthan New Delhi.
6.3	Last date of submitting the application form	The last date of submitting the application forms, duly filled in, complete in all respects shall be 05.07.2014 by 5.30 P.M. Application forms received late shall not be included for the test.
6.4	Date of Pre-Research Test	19 July 2014
6.5	Time of Examination (For A Part)	10.00 A.M. to 11.30 A.M.
	(For B Part)	11.40 A.M. to 01.10 P.M.

7. प्राप्तिस्थानम्

आवेदनपत्रसहिता मार्गदर्शनविवरिणका निम्नलिखितेभ्यः केन्द्रेभ्यः प्राप्तुं शक्यते।

आवेदनपत्रसहित मार्गदर्शनविवरणिका निम्नलिखित केन्द्रों से प्राप्त की जा सकती है।

The booklet containing the application form can be obtained from the following centres.

8. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाकेन्द्राणि/संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा के लिए केन्द्र

	परिसरनाम	पत्रसंकेतः	(कोड)	दूरभाषसं०	
1.	श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रिय-संस्कृत-विद्यापीठम् मानितविश्वविद्यालयः	कटवारिया सराय, नवदेहली 130016	011 011 011	 46060509 46060503	 शो०प्र०विभाग शै० विभाग
2.	राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः) श्रीरणबीरपरिसरः	कोट भलवाल, जम्मूः 181322	0191	2623090	
3.	राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः) लखनऊपरिसरः	विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ 226010	0522	2393748	
4.	राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः) श्रीराजीवगान्धीपरिसरः	शृंगेरी, चिकमगलूर (कर्नाटक) 577139	08265	250258	
5.	राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः) जयपुरपरिसरः	त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाई पास जयपुर 302018	0141	2761315	
6.	राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः) श्रीसदाशिवपरिसरः	पुरी (उडीसा) 752001	06752	223439	
7.	राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः) गुरुवायूरपरिसरः	पुरनाट्टुकरा, त्रिशूर (केरल) 680551	0487	2307208 2307608	
8.	राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः) भोपालपरिसरः	ई. 7/62, अरेरा कालोनी भोपाल 462016	0755	2421877	
9.	राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः) मुम्बईपरिसरः	के. जे. सोमैया संस्कृतविद्यापीठम् II तल, पोलिटैक्निक भवन, विद्याविहार, मुम्बई 400077	022	25025452	
10.	राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम्	आजाद पार्क, इलाहाबाद	0532	2460956/7	
11.	राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम् वेदव्यासपरिसरः	बलहार (गरली), तहसील-देहरा जिला-कांगडा, हिमाचलप्रदेश	01970	245409	
12.	राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम् एकलव्य परिसर	फटीकचरा पो. कमलधार अगरत्तला मोहनपुर पश्चिमी त्रिपुरा (त्रिपुरा)	0381	2907858	
13.	राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम्	मुख्यालय दिल्ली	011	28521258	
14.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिरम्	बंगलोर, 560028	080	26094026	
15.	राष्ट्रिय-संस्कृत-विद्यापीठम् मानितविश्वविद्यालयः	तिरुपतिः (आ. प्र.) 517064	0877 0877	2287649 2288886	विद्यापीठस्य संकायाध्यक्षस्य

परीक्षाकेन्द्रस्य मान्यता कृते न्यूनतमाः पञ्चदश आवेदकाः अपेक्षिताः
परीक्षा केन्द्र की मान्यता के लिए न्यूनतम पन्द्रह आवेदक अपेक्षित हैं।

8. Centres of Combined V.V. Entrance Test 2014

	Names of Campuses, and their postal addresses	S.T.D. codes	Telephone Nos.
1.	SriLal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskirt Vidyapeetha Deemed University Katawaria Sarai New Delhi 130016 www.slbrsv.ac.in.	011 011 011	46060609 Convenor 46060509 Deptt. R & P 46060503 Acad.
2.	Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University) Shri Ranbir Campus Kot Bhalwal, Jammu. 181322	0191	2623090
3.	Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University) Lucknow Campus Vishal Khand-4, Gomati Nagar, Lucknow. (UP) 226010	0522	2393748
4.	Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University) Rajiv Gandhi Campus P.O. Sringeri, Distt. Chikmaglur Karnataka 577139	08265	250258
5.	Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University) Jaipur Campus Triveni Nagar, Gopalpura By Pass, Jaipur-302018	0141	2761315
6.	Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University) Shri Sadashiv Campus Puri, Orissa. 752001	06752	223439
7.	Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University) Guruvayoor Campus P.O. Puranattukara, Distt. Trichur, Kerala 680551	0487	2307208 2307608
8.	Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University) Bhopal Campus E-7/62 Arera Colony, Bhopal-462016	0755	2421877
9.	Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University) Mumbai Campus K.J. Somaya Sanskrit Vidyapeetha, II Floor, Polytechnic Building, Vidya Vihar Mumbai-400077	022	25025452
10.	Rashtriya Sanskrit Sansthan Azad Park, Allahabad	0532	2460956/7
11.	Rashtriya Sanskrit Sansthan Vedavyasa Campus Garli, Tehsil-Dehra,Dist-Kangra, (H.P.) Pin 177108	01970	245409
12.	Rashtriya Sanskrit Sansthan, Eklavya Campus, P.O. Fatik chara Via Kamalghat Mohan Pur, Paschim Tripura Agartala (Tripura)	0381	2907858
13.	Rashtriya Sanskrit Sansthan H.Q. Delhi	011	28521258
14.	Poornaprajna Sanshodhana Mandiram, Bangalore-560028	080	26094026
15.	Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha Deemed University Tirupati (A.P.) 517064 www.rsvidyapeetha.ac.in	0877 0877 0877	2287649 VP 2288886 Dean 2286799 Registrar

Minimum number of fiftten candidates is must for the approval of an examination centre.

9. आवेदनात् पूर्वं ध्यातव्यानि तथ्यानि

1. केवलमर्हच्छात्रैः लिखितपरीक्षायां सम्मिलितैर्भाव्यम्। यदि कश्चिद् अर्हः नास्ति, परन्तु संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायां सम्मिलितः भवति, तर्हि परिणामार्थं स व्यक्तिगतरूपेण स्वयम् उत्तरदायी भविष्यति।
2. विद्यावारिधिपाठ्यक्रमः विश्वविद्यालयानुदानायोगस्य एम् फिल्/पी.एच.डी. इत्यधिकृत्य अधिसूचना-2009 इत्यनुसारं भविष्यति। प्रतिविद्यापीठं संस्थानस्य च विभिन्नपरिसरेषु निर्धारितसङ्ख्यानुसारम् वरीयतासूच्यां योग्यताक्रमानुसारम् एव प्रवेशः प्रदास्यते।
3. प्रवेशार्हतानिरीक्षणम्, आरक्षणादीनां निश्चयश्च, एतत्सर्वं सम्बद्धविश्वविद्यालयस्य/परिसरस्य अधीनं वर्तते।
4. प्रवेशविषये सम्बद्धविश्वविद्यालयस्य कुलपतेः निर्णय एव अन्तिमः।
5. वैधानिकविषयेषु दिल्लीन्यायालयस्य एव क्षेत्राधिकारः भविष्यति।
6. उत्तरपुस्तिकायाः पुनः मूल्याङ्कनं नैव भविष्यति।
7. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः प्रवेशसमये परीक्षाप्रकोष्ठे प्रवेशपत्रं विना प्रवेशः न प्रदास्यते।
8. विद्यापीठे/ संस्थानपरिसरे विद्यावारिधिपाठ्यक्रमे पञ्जीकरणसमयेऽपि संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः प्रवेशपत्रं समर्पणीयम्।

आवेदन पत्र भरने से पहले ध्यातव्य तथ्य

1. केवल अर्ह छात्र लिखित परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। यदि कोई छात्र निर्धारित योग्यता के अभाव में भी संयुक्त विद्यावारिधिप्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हो जाता है तो वह स्वयं व्यक्तिगत रूप से इसके परिणाम के लिए उत्तरदायी होगा।
2. विद्यावारिधि का पाठ्यक्रम यू. जी. सी. द्वारा मान्यता प्राप्त है। प्रति विद्यापीठ तथा संस्थान के विभिन्न परिसरों में निर्धारित संख्या तथा प्रत्येक विश्वविद्यालय की योग्यता सूची में वरीयता क्रम से ही प्रवेश दिया जायेगा।
3. प्रवेशार्हता की जांच, आरक्षणादि का निश्चय आदि निर्णय सम्बद्ध विश्वविद्यालय के अधीन हैं।
4. प्रवेश के विषय में सम्बद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति का निर्णय ही अन्तिम होगा।
5. वैधानिकविषयों में दिल्ली न्यायालय का ही क्षेत्राधिकार होगा।
6. उत्तरपुस्तिका का पुनः मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
7. संयुक्त विद्यावारिधिप्रवेश परीक्षा में प्रवेश के समय प्रवेशपत्र के बिना परीक्षा हाल में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
8. विद्यापीठ/ संस्थान परिसर में भी विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में पञ्जीकरण के समय संयुक्त विद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा का प्रवेश पत्र देना आवश्यक है।

Notable points before applying

1. Eligible candidates only can appear in the written test. Non-eligible candidates appearing for C.V.V. E. Test will be themselves responsible for the consequences.
2. Vidya Varidhi course is recognised by UGC. The admission will be strictly on the basis of number of seats and rank in the merit list allotted to each Vidyapeeth/ Sansthan Campus.
3. Scrutiny of eligibility for admission, verification of reservations etc. are under the control of the concerned University/ Campus.
4. In case of admission, the decision of the V.C. of the concerned University shall be final.
5. All judicial matters will be settled under DELHI JURISDICTION only.
6. No re-evaluation of the answer copy is permissible.
7. At the time of admission to C.V.V.E.T., admit card has to be produced compulsorily for entering the Examination hall.
8. At the time of Registration in Vidya Varidhi Course the C.V.V.E.T. admit card has to be submitted.

10. विशेषटिप्पणी

- संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायां प्रवेशार्थिनः परीक्षासमये बॉलपैन (Ballpen) नील/कृष्णवर्णीयां लेखनीं स्वयम् आनयेयुः।
- संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाम् अवैधसाधनानि अवलम्बयन्, उत्तराणि लेखितुम् अन्यतः साहाय्यं प्राप्नुवन् अनुशासनहीनतां वा प्रदर्शयन् परीक्षार्थी केन्द्राध्यक्षेण सद्यः परीक्षायाः बहिष्करिष्यते यथाविधि दण्डः वा प्रदास्यते।
- छायाचित्रेण सह वैषम्ये सति, परीक्षातः निलम्बनम्/ प्रवेशात् निलम्बनम्/विधिवत् दण्डनं वा करिष्यते। तदर्थम् आवेदकः स्वयम् उत्तरदायी भविष्यति।
- परीक्षाभवने कैलक्यूलेटर, मोबाइलफोन,पेजर इत्यादिकं सर्वथा वर्जितम्।

विशेष टिप्पणी

★ संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश में प्रवेशार्थी अपने प्रयोग के लिए नीला/ काला बालपैन (Ballpen) स्वयं लाएं।

★ संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा में अवैध साधन प्रयोग करने वाले अथवा किसी से सहायता लेने या देने वाले या अनुशासन भंग करने वाले परीक्षार्थी को केन्द्राध्यक्ष परीक्षा से निष्कासित कर देंगे, यथाविधि दण्ड भी दिया जा सकता है।

★ यदि किसी के छायाचित्र में विषमता पायी जाती है और सन्देह होता है तो ऐसी स्थिति में परीक्षा से निलम्बन/प्रवेश से निलम्बन/कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। इसके लिए छात्र स्वयं उत्तरदायी होगा।

★ परीक्षा भवन में कैलक्यूलेटर, मोबाइलफोन, पेजर इत्यादि सर्वथा वर्जित है।

Special Note

- The candidate appearing in the C.V.V.E. Test should bring his/her own ball pen for the test.
- Candidates using unfair means, getting external help or helping others or indulging in indiscipline in the C.V.V.E. Test will be disqualified. Criminal or Judicial action can also be initiated.
- In case of mismatch of photo, doubt etc suspension from exam/cancellation of admission or any other legal action can be taken. For any such inconvenience, the applicant will be himself/herself responsible.
- Calculator, Mobile Phone, Pager etc. are prohibited in the examination hall.

11(i) संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः पाठ्यक्रमः स्वरूपञ्च

शोधकार्येच्छुकाः अपेक्ष्यन्ते यत् ते

1. स्वस्नातकोत्तरकक्षायां पठितविषयस्य सम्यक् ज्ञातारः स्युः।
2. ग्रन्थसम्पादनं हस्तलेखविज्ञानशोधप्रविधिं च परिचयात्मकरूपेण जानीयुः।
3. प्राचीनभारतीयेतिहासं, संस्कृतिं, संस्कृतसाहित्यम् एवं भाषाविकासस्य विभिन्नसोपानानि अपि सामान्यरूपेण जानीयुः।
4. समसामयिकविश्वस्य वर्तमानभारतस्य संवैधानिकस्वरूपस्य सामान्यज्ञानमपि वाञ्छितम् वर्तते।

11 (ii)प्रश्नपत्रप्रारूपम्

अस्यां प्रवेशपरीक्षायां द्वे प्रश्नपत्रे भविष्यतः। प्रथम प्रश्नपत्रं सर्वेभ्यः अर्हच्छात्रेभ्यः नेट/जे. आर. एफ. प्रभृतमः अनिवार्यम् अस्ति/ नेट/ जे. आर. एफ./ एन. ई. एफ./ जी. आर. टी./ विद्यावारिधि (पी.एच.डी.), एम. फिल. परीक्षोत्तीर्णच्छात्राणां कृते **द्वितीय** प्रश्नपत्रस्य परीक्षायाः आवश्यकता नास्ति। प्रतिप्रश्नपत्रम् शतम् अङ्काः, समयावधिश्च सार्धैकहोरामात्रं भविष्यति। प्रश्नपत्रप्रारूपम् अधः प्रदीयते-

11 (iii) प्रथमं प्रश्नपत्रम् अनिवार्य पत्रम् (समयः प्रातः 10 तः - 11.30 प्रातः) पूर्णाङ्काः 100

अस्मिन् प्रश्नपत्रे स्नातकोत्तरस्तरे पाठ्यक्रमे अधीतस्य शास्त्रस्य सम्यक् ज्ञानम् अपेक्षितम्। अन्तःशास्त्रीय-विषयतालिकानुसारम् आवेदकः स्वयं स्वरुच्यनुसारम् एकस्य विषयवर्गस्य चयनं कृत्वा उत्तरं लेखितुं शक्नोति। अनेकविषयवर्गेभ्यः विषयचयनं न स्वीकार्यं भविष्यति। विषयवर्गस्य तालिका निम्नलिखितानुसारं वर्तते-

द्वितीयं प्रश्नपत्रम् **(प्रातः 11.40 तः - 01.10 पर्यन्तम्) पूर्णाङ्काः 100**

अस्मिन् पत्रे चत्वारः खण्डाः भविष्यन्ति-

	खण्डः क	**अङ्का**
1.	सामान्यज्ञानम् (भारतम्, भारतीयसमाजः, संस्कृतिश्च)	6
2.	संस्कृतभाषायाः क्रमिकविकासः (विभिन्नशास्त्रेषु कालेषु च)	6
3.	विविधाः धर्माः दर्शनानि च (भारते प्रचलितानि/ उद्भूतानि च)	6
4.	सर्वशास्त्राणां मूलाधारपरिचयः (मूलसिद्धान्तमात्रस्य ज्ञानम्)	6
5.	पाण्डुलिपिविज्ञानम्/ शोधप्रविधेः सामान्यः परिचयः (सन्दर्भः, पादटिप्पणी, ग्रन्थसूचीनिर्माणम् परिशिष्टानि, लिप्यन्तरणज्ञानम्)	6
		30

खण्डः ख

संस्कृतस्य प्रायोगिकव्याकरणस्य सामान्यज्ञानम्	25
(सन्धिः, समासः, कारकम्, वाच्यपरिवर्तनम्, सुबन्तानि, तिङन्तानि, कृदन्तानि, तद्धितान्तानि पदानि)	

खण्डः ग

निम्नलिखित शास्त्राणां ज्ञानम्		20
वेदः	4	
छन्दः	4	
ज्योतिषम्	4	
पुराणेतिहासः	4	
अलङ्कारशास्त्रम्	4	

खण्डः 'घ'

संस्कृतसाहित्यस्य सामान्यपरिचयः	25
योगः	100

11 (iv) अन्तः शास्त्रीयविषयेषु शोधकार्येच्छुकेभ्यः विषयसूची

द्वितीये प्रश्नपत्रे अपेक्षिताः विषयाः, विषयवर्गाश्च

वेदान्तः/द्वैताद्वैतम्	सांख्ययोगम्, न्यायः, वैशेषिकम्, पुराणेतिहासः, मीमांसा, आगमः, बौद्धदर्शनम्, जैनदर्शनम्, सर्वदर्शनम्, संस्कृतम् (दर्शनवर्गः), तन्त्रयोगः रामानन्दवेदान्तः, विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, द्वैताद्वैतम्।
सांख्ययोगम्	वेदान्तः, न्यायवैशेषिकम्, पुराणेतिहासः, बौद्धदर्शनम्, जैनदर्शनम्, आगमः, आयुर्वेदः, संस्कृतम् (दर्शनवर्गः), तन्त्रयोगः, द्वैताद्वैतम्।
न्याय-वैशेषिकम्	वेदान्तः, सांख्ययोगम्, बौद्धदर्शनम्, जैनदर्शनम्, संस्कृतम् (दर्शनवर्गः), दर्शनशास्त्रे एम.ए. (बी.ए. संस्कृतम्), तन्त्रयोगः, सर्वदर्शनम्, द्वैताद्वैतम्।
पुराणेतिहासः	वेदान्तः, सांख्ययोगम्, वेदः, ज्योतिषम्, धर्मशास्त्रम्, आगमः, तन्त्रयोगः, सर्वदर्शनम्, साहित्यम्। संस्कृतम् (साहित्यम्)
व्याकरणम्	वेदः, साहित्यम्, सांख्ययोगम्:, पुराणेतिहासः, भाषाविज्ञानम् (शास्त्रिस्तरे ससंस्कृतम्), संस्कृतम् (व्याकरणवर्गः), तुलनात्मकभाषाविज्ञानम् ।
ज्योतिषम्	वेदांगानि, सिद्धान्तज्योतिषम्, फलितज्योतिषम्, पुराणेतिहासः, धर्मशास्त्रम्, कृषिविज्ञानम्, पर्यावरणविज्ञानम्, खगोलशास्त्रम्, कर्मकाण्डम्, पौरोहित्यम्, धर्मागमः, सर्वदर्शनम्।
धर्मशास्त्रम्	मीमांसा, वेदः, ज्योतिषम्, कर्मकाण्डम्, पौरोहित्यम्, पुराणेतिहासः, संस्कृतिः, तुलनात्मक-विधिशास्त्रम्, भारतीयविधिशास्त्रम्, आधुनिकभारतीयविधिशास्त्रम्, धर्मागमः।
शिक्षाशास्त्रम्	व्याकरणम्, न्यायः, साहित्यम्, धर्मशास्त्रम्, वेदः, पौरोहित्यम्, वेदान्तः, ज्योतिषम्, कर्मकाण्डम् इत्यादि परम्परागतविषयाः, एम.ए.(संस्कृतम्) अनेन सह शिक्षाचार्यः/एम. एड, एम.ए.(शिक्षा), एम. फिल-(शिक्षा),मनोविज्ञाने/समाजशास्त्रे/दर्शनशास्त्रे एम.ए.।
मीमांसा	धर्मशास्त्रम्, वेदः, वेदान्तः, आगमः, संस्कृतम् (दर्शनवर्गः), दर्शनम् (शास्त्रिस्तरे ससंस्कृतम्), तन्त्रयोगः, सांख्ययोगम्, धर्मागमः, सर्वदर्शनम्।
बौद्धदर्शनम्	पालिः, प्राकृतम्, संस्कृतम् (दर्शनवर्गः), प्राचीनभारतीयेतिहासः संस्कृतिश्च (शास्त्रिस्तरे संस्कृतम्), जैनदर्शनम्, शैवदर्शनम्, सांख्ययोगम्, योगागमः, तन्त्रयोगः, जैनतन्त्रम्, बौद्धतन्त्रम्, सर्वदर्शनम्।
जैनदर्शनम्	प्राकृतम्, पालिः, संस्कृतम्, बौद्धदर्शनम्, सांख्ययोगम्, स्थापत्यकलाविज्ञानम्, भारतीयप्राचीनेतिहासः संस्कृतिश्च (शास्त्रिस्तरे ससंस्कृतम्), जैनतन्त्रम्, बौद्धतन्त्रम्, सर्वदर्शनम्।
साहित्यम्	व्याकरणम्, पुराणेतिहासः, तन्त्रागमः, संस्कृतिः, दर्शनम्, पालिः, प्राकृतम् (स्नातकस्तरे ससंस्कृतम्, एम. ए. संस्कृतम् (साहित्यवर्गः)।
वेदः/कर्मकाण्डः	व्याकरणम्, वेदान्तः, आगमः, तन्त्रागमः, योगतन्त्रम्, धर्मशास्त्रम्, मीमांसा, पौरोहित्यम्, पुराणेतिहासः, सांख्ययोगम्, प्राचीनभारतीयेतिहासः संस्कृतिश्च, (शास्त्रिस्तरे ससंस्कृतम्), पुरातत्त्वम्, (स्नातकस्तरे ससंस्कृतम्), अभिलेखशास्त्रम् (स्नातकस्तरे ससंस्कृतम्), आयुर्वेदः, ज्योतिषम्, सर्वदर्शनम्।

11(i) संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा का पाठयक्रम एवं स्वरूप

शोधकार्य हेतु प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि उन्हें-

1 अपने स्नातकोत्तर कक्षा में पठित विषय का सम्यक् ज्ञान हो;

2 ग्रन्थ-सम्पादन, हस्तलेख-विज्ञान एवं शोधप्रविधि का परिचयात्मक ज्ञान हो;

3 प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति तथा संस्कृत साहित्य एवं भाषा के विकास के विभिन्न चरणों का सामान्य ज्ञान होना चाहिए।

4 समसामायिक विश्व एवं वर्तमान भारत के संवैधानिक स्वरूप का सामान्य ज्ञान वांछनीय है।

इस प्रवेश परीक्षा में 100-100 अंकों के दो प्रश्नपत्र डेढ़-डेढ़ घण्टों की अवधि वाले होंगे।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार है-

11 (ii) प्रश्नपत्रप्रारूप

संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा में दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रथम प्रश्नपत्र की परीक्षा सभी छात्रों के लिए अनिवार्य हैं। किन्तु **द्वितीय प्रश्नपत्र** की परीक्षा जो नेट/जे.आर.एफ./ एन. ई. एफ./जी.आर.टी. विद्यावारिधि (पीएच.डी.), एम.फिल. प्रभृति परीक्षोतीर्ण हैं उनके लिए आवश्यक नहीं है।

11(iii) प्रथम प्रश्नपत्र समय प्रातः 10 से 11.30 प्रातः पूर्णांक-100

इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अधीत शास्त्र का सम्यक् ज्ञान अपेक्षित है। अन्तःशास्त्रीयविषयतालिका के अनुसार छात्र 'स्वरुचि का एक विषय/ वर्ग' चुनकर उत्तर दे सकता है। कई विषय-वर्गों से उत्तर दिया जाना स्वीकार्य नहीं होगा। विषय वर्ग की तालिका निम्नवत् है।

द्वितीय प्रश्नपत्र प्रातः 11.40 तः-01.10 पर्यन्तम् **सम्पूर्णाङ्काः-100**

इसमें निम्नलिखित विषयों पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।

		अङ्क
	खण्ड 'क'	
1.	सामान्य ज्ञान (भारत, भारतीय समाज एवं संस्कृति)	6
2.	संस्कृत भाषा का क्रमिक विकास (भिन्न-भिन्न शास्त्रों एवं कालों में)	6
3.	विविध धर्म एवं दर्शन (भारत में प्रचलित/उद्भूत)	6
4.	सर्वशास्त्रों के मूलाधार (मूलसिद्धान्तमात्र का ज्ञान)	6
5.	पाण्डुलिपि विज्ञान/शोध प्रविधि का सामान्य परिचय	6
	(सन्दर्भ, पादटिप्पणी, ग्रन्थसूची का निर्माण, परिशिष्ट, लिप्यन्तरण का ज्ञान)	30
	खण्ड 'ख'	
	संस्कृत के प्रायोगिक व्याकरण का सामान्य ज्ञान	25
	(सन्धि, समास, कारक, वाच्य, सुबन्त, तिङन्त, कृदन्त, तद्धित आदि)	
	खण्ड 'ग'	
	निम्नलिखित शास्त्राणां ज्ञानम्	20
	वेदः 4	
	छन्दः 4	
	ज्योतिषम् 4	
	पुराणेतिहासः 4	
	अलङ्कारशास्त्रम् 4	
	खण्ड 'घ'	
	संस्कृतसाहित्य का सामान्य परिचय	25
	योगः	100

11(iv)अन्तः शास्त्रीय विषयवर्ग सूची

प्रश्नपत्र में अपेक्षित विषय और विषयवर्ग

तत्तद् विषयों में आचार्य/एम.ए. (संस्कृत) या तत्समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र, सम्बद्ध विषयों में भी, शोध-कार्य कर सकते हैं। सम्बद्ध विषयों/अन्तःशास्त्रीयविषयों की तालिका इस प्रकार है-

शोध के अन्तःशास्त्रीय विषय के रूप में स्वीकृत विषय	विषयों के अर्न्तवर्ग
वेदान्त/द्वैताद्वैत	सांख्ययोग, न्याय, वैशेषिक, पुराणेतिहास, मीमांसा, आगम, बौद्धदर्शन, जैन दर्शन, सर्वदर्शन, संस्कृत (दर्शन वर्ग), तन्त्र-योग रामानन्दवेदान्त, विशिष्टाद्वैतवेदान्त, द्वैताद्वैत।
सांख्ययोग	वेदान्त, न्यायवैशेषिक, पुराणेतिहास, बौद्धदर्शन, जैनदर्शन, आगम, आयुर्वेद, संस्कृत (दर्शन वर्ग), तन्त्र-योग, द्वैताद्वैत।
न्याय-वैशेषिक	वेदान्त, सांख्ययोग, बौद्धदर्शन, जैनदर्शन, संस्कृत (दर्शन वर्ग), दर्शन शास्त्र से एम.ए. (बी.ए. स्तर तक संस्कृत के साथ), तन्त्रयोग, सर्वदर्शन, द्वैताद्वैत।
पुराणेतिहास	वेदान्त, सांख्ययोग, वेद, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, आगम, तन्त्रयोग, सर्वदर्शन, साहित्य। संस्कृत (साहित्य)
व्याकरण	वेद, साहित्य, सांख्ययोग, पुराणेतिहास, भाषाविज्ञान (शास्त्री स्तर तक संस्कृत के साथ), संस्कृत (व्याकरणवर्ग), तुलनात्मक-भाषा-विज्ञान ।
ज्योतिष	वेदांग, सिद्धान्तज्योतिष, फलित-ज्योतिष, संहिता, पुराणेतिहास, धर्मशास्त्र, कृषि-विज्ञान, मौसमविज्ञान, खगोलशास्त्र, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, धर्मागम, सर्वदर्शन।
धर्मशास्त्र	मीमांसा, वेद, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, पुराणेतिहास, संस्कृति, तुलनात्मक विधिशास्त्र, भारतीय-विधिशास्त्र, आधुनिक-भारतीय-कानून, धर्मागम।
शिक्षाशास्त्र	व्याकरण, न्याय, साहित्य, धर्मशास्त्र, वेद, पौरोहित्य, वेदान्त, ज्योतिष, कर्मकाण्ड आदि परम्परागत विषय, एम.ए.(संस्कृत) इस के साथ शिक्षाचार्य/एम.एड्, एम.ए.(शिक्षा), एम. फिल्-(शिक्षा), मनोविज्ञान समाजशास्त्र/ दर्शनशास्त्र में एम. ए.।
मीमांसा	धर्मशास्त्र, वेद, वेदान्त, आगम, संस्कृत (दर्शन वर्ग), दर्शन (शास्त्री स्तर तक संस्कृत), तन्त्रयोग, सांख्ययोग, धर्मागम, सर्वदर्शन।
बौद्धदर्शन	पालि, प्राकृत, संस्कृत (दर्शन वर्ग), प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति (शास्त्री स्तर तक संस्कृत के साथ), जैन दर्शन, शैवदर्शन, सांख्ययोग, योगागम, तन्त्रयोग, जैनतन्त्र, बौद्धतन्त्र, सर्वदर्शन वास्तु।
जैनदर्शन	प्राकृत, पालि, संस्कृत, बौद्धदर्शन, सांख्य-योग, स्थापत्य एवं कला, भारतीय प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति (शास्त्री स्तर तक संस्कृत के साथ), जैनतन्त्र, बौद्धतन्त्र, सर्वदर्शन।

साहित्य व्याकरण, पुराणेतिहास, तन्त्रागम, संस्कृति, दर्शन, पालि, प्राकृत (स्नातक स्तर तक संस्कृत के साथ, एम.ए. संस्कृत (साहित्य वर्ग)।

वेद/कर्मकाण्ड व्याकरण, वेदान्त, आगम, तन्त्रागम, योगतन्त्र, धर्मशास्त्र, मीमांसा, पौरोहित्य, पुराणेतिहास, सांख्ययोग, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति, (शास्त्री स्तर तक संस्कृत के साथ), पुरातत्त्व, (स्नातक स्तर तक संस्कृत के साथ), अभिलेख शास्त्र (स्नातक स्तर तक संस्कृत के साथ), आयुर्वेद, ज्योतिष, सर्वदर्शन, वास्तु

11(i) The Syllabus and design of C.V.V.E. Test Question Paper

Those candidates, desirous of getting themselves registered for the Pre-Research Test are expected to-

1 Have sufficient knowledge in the subject offered at M.A. Acharya level;

2 Have introductory knowledge of research methodology/ editing a book or are adept in the science of manuscripts.

3 Have sufficient general knowledge about Indian History and its culture, Sanskrit literature and the various stages of the development of language;

4 Have sufficient general knowledge of the contemporary world and the constitutional structure of modern India;

For this entrance test, there will be two papers of one and a half hours each with maximum marks of 100 per paper

11(ii) Design of the Question Paper

11(iii) First Question Paper Time: 10.00 A.M. to 11.30 A.M. M.M. 100

In this paper the candidates' knowledge in the subject studied at Acharya/ M.A. level will be tested. The candidates can select any of the following inter-related subjects as per his choice. No Candidate shall be permitted to answer from a number of subject-groupings.

Question Paper Second Time: 11.40 to 01.10 P.M. M.M. 100

There will be 100 objective type questions on the following topics- **Marks**

Section A

1.	General knowledge (India and Indian Society and culture)	6
2.	Gradual development of Sanskrit language in various periods and sciences.	6
3.	Various religions and philosophies (prevalent in India/originated in India)	6
4.	Fudamentals of all the disciplines (shastras). (basic principles only)	6
5.	Manuscript Science/gereral introductory knowledge about research-methodology. (references, footnotes, preparation of index of referred works, annexures, knowledge of other scripts etc.)	6
		30

Section B

Gereral Knowledge of Sanskrit Grammar 25

(Sandhi, compounds, case-endings voices, subanta, Tignanta, kridanta, Taddhita etc.)

Section C

निम्नलिखित शास्त्राणां ज्ञानम् 20

वेद:	4
छन्द:	4
ज्योतिषम्	4
पुराणेतिहास:	4
अलङ्कारशास्त्रम्	4

Section D

General knowledge of Sanskrit literature. 25

Total 100

The list of inter-connected subjects is as follows-

11 D List of interdisciplinery subjects
Expected subjects in second paper intergroups

Vedanta/Dwaitadwait	Samkhyayoga, nyaya, vaisheshik, puranetihasa, mimansa, agama, Buddhistic philosophy, Jain philosophy, sarva-darshan, Sanskrit (phi losophy), tantra-yoga Ramanand Vedanta, Vishishtadvait Vedenta/ Dwaitadwait/Vedanta.
Samkhyayoga	vedanta, nyaya-vaisheshikam, puranetihasa, Buddhist philosophy, Jain philosophy, agama, ayurveda, Sanskrit (philosophy) tantra-yoga/ Dwaitadwait/Vedanta.
Nyaya-Vaisheshik	Vedanta, samkhya-yoga, Buddhist philosophy, Jain philosophy, Sanskrit (philosophy), M.A. in philosophy (with Sanskrit upto B.A. Level); tantra-yoga, Sarva-Darshan.
Puranetihasa	Vedanta, Samkhya-yoga, Veda, Jyotish, dharma shastra, agama, tantra yoga, Sarva-Darshan, Sahitya, Sanskrit (Sahitya).
Vyakaran	Veda, literature, Samkhya-yoga, puranetihasa, philosophy with Sanskrit upto Shastri level, Sanskrit (grammer section), comparative philology.
Jyotisha	Vedanga, Siddhanta jyotish, phalit-jyotish, samhita, puranetihasa, dharma shastra, agriculture, mausam vigyan, astronomy, karma-kanda, Paurohitya, Dharmagama, Sarva-darshan.
Dharma-Shastra	Mimansa, Veda, jyotish, karma-kanda, paurohitya, puranetihasa, culture, comparative law, Indian law, Modern Indian law, Dharmagama

Eduction	Vyakaran, nyaya, sahitya, dharma-shastra, Veda, paurohitya, vedanta, jyotish, traditional subjects like karma-kanda, Acharya, M.A. (Sanskrit) with Shikshacharya/M.Ed., M.A. (Education), M.Phil (Education), M.A. (Psychology)/Sociology/Philosophy
Mimansa	Dharmashastra, veda, vedanta, agam, Sanskrit (philosophy section) MA (Philosophy) (with Sanskrit upto B.A. level) tantra-yoga. samkhya-yoga, dharmagama, sarvadarshana.
Buddhist	Pali, Prakrit, Sanskrit (Philosophy section) Ancient Indian History and Culture
Philosophy	(with Sanskrit upto B.A. level). jainism, shaivism, samkhyayoga, yogagama, tantra-yoga, Jain tantra, Bauddha tantra, Sarva-darshana.
Jainism	Prakrit, pali, Sanskrit, Buddhism, Samkhya-yoga, Art and architecture, Ancient Indian history and culture (with Sanskrit upto B.A. level) Jaintantra, Bauddha-tantra, Sarva-darshan.
Literature	Vyakaran, puranetihasa, tantra-agama, culture, (M.A.) philosophy, (M.A.) pali, prakrit-with Sanskrit (upto B.A. level)
Veda/Karmkanda	Vyakarana, vedanta, agama, tantragama, yoga-tantra, dharmashastra, mimansa, paurohitya, puranetihasa, samkhya-yoga, Ancient Indian History and culture. (with sanskrit upto B.A. level) Archeology (with Sanskrit upto B.A. level), epigraphy (with Sanskrit upto B.A. level), ayurveda, jyotish, sarvadarshana, Vastu.

12. संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाम् उत्तीर्णतायै अपेक्षिताङ्कप्रतिशतम्।

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षाया: प्रथमे खण्डे प्राप्तपञ्चाशत्प्रतिशताङ्कानामेव द्वितीयखण्डस्य मूल्याङ्कनं भविष्यति। द्वितीये खण्डे अपि पृथक् पृथक् न्यूनतमा पञ्चाशत्प्रतिशतम् (50%) अङ्कप्राप्ति: अपेक्षिता। तत्पश्चात् द्वितीयखण्डे प्राप्ताङ्कानुसारं वरीयताक्रमेण चयनं भविष्यति।

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा में उत्तीर्णता के लिए अपेक्षित अङ्क

संयुक्त वि. वा. प्र. परीक्षा के प्रथम खण्ड में न्यूनतम 50% (पचास प्रतिशत) अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों का ही द्वितीय खण्ड का उत्तर पत्र जांचा जाएगा। द्वितीय खण्ड में भी न्यूनतम 50% अङ्कप्राप्ति अपेक्षित है। उसके बाद वरीयता क्रम से चयन होगा।

Minimum Percentange of marks required for passing C.V.V.E. Test

The second part of Q.P. of those applicants obtaining at least 50% marks in the first part of examination, shall only be evaluated. Second part as well, minimum 50% marks are required seperately for passing the test. Thereafter the selection will be made as per the merit list.

13. छात्रवृत्ति:

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षासम्बद्धविश्वविद्यालयानां नियमानुसारं शोधार्थिभ्य: छात्रवृत्ति: अपि प्रदास्यते।

छात्रवृत्ति

संयुक्त वि. वा. प्र. परीक्षासम्बद्ध विश्वविद्यालयों के नियमानुसार शोधर्थियों को छात्रवृत्ति भी दी जाती है।

Scholarship

Scholarship is also provided to eligible research candidates as per rules of the Universities concered.

14 उदाहरणार्थं प्रश्नपत्रम्

प्रश्नपत्रप्रारूपम्

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान,

मानितविश्वविद्यालयः

56-57 इन्स्टीट्यूशनल एरिया, (डी-ब्लाक) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा 2014

प्रथमं प्रश्नपत्रम्

अनिवार्यम् (सर्वेषां कृते)

समयः सार्धहोरापर्यन्तम् (10-11.30) **पूर्णाङ्काः100**

1. **परीक्षार्थिनाम** _____
2. **अनुक्रमसंख्या (यथा प्रवेशपत्रे टङ्किता) अङ्केषु** _____
3. **परीक्षाकेन्द्रनाम** _____
4. **शास्त्रनाम** _____

सूचना

1. 'क' भागात् प्रतिविषयं शीर्षकद्वयमादाय अनिवार्यनिबन्धौ लेख्यौ। 'ख' भागात् निबन्धद्वयं प्रदत्त विषयेषु/शास्त्रेषु चयनं कृत्वा लेखनीयम्। आहत्य चत्वारः निबन्धाः लेखनीयाः।
2. निबन्धः संस्कृतभाषया शास्त्रीयपद्धत्या च प्रस्तोतव्याः।
3. एकैकस्मिन् निबन्धे पदानां संख्या (300) शतत्रयात् न्यूना न भवेत्।
4. 'क' भागस्य अनिवार्यनिबन्धद्वयकृते पञ्चाशत् अङ्काः निर्धारिताः। 'ख' भागस्य पञ्चाशत् अङ्काः चयनित विषयद्वयम् अधिकृत्य निर्धारिताः तत्र भाषाकृते पञ्चदश, तथ्यकृते पञ्चदश शास्त्रीयपद्धति-कृते दश, पूर्णसन्दर्भसङ्केतसहितानाम् उद्धरणानां कृते दश अङ्काः निर्धारिताः।

'क' भागः (सामान्यम्) 50 अङ्काः

1. **अभीष्ट कविः तस्य काव्य कौशलम्**
2. **राष्ट्रियशिक्षानीतौ संस्कृतस्य स्थानम्**
3. **संस्कृतिः संस्कृताश्रिता**

'ख' भागः (शास्त्रीय विषयः) 50 अङ्काः

SPECIMEN

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान,

मानितविश्वविद्यालयः

56-57 इन्स्टीट्यूशनल एरिया, (डी-ब्लाक) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा 2014

द्वितीयं प्रश्नपत्रम्

समयः सार्धहोरापर्यन्तम् (11.40- 01.10) **पूर्णांकाः100**

1. **परीक्षार्थिनाम** _____

2. **अनुक्रमसंख्या (यथा प्रवेशपत्रे टङ्कितम्) अङ्केषु** _____

   अक्षरेषु अनुक्रमसंख्या _____

3. **परीक्षा-केन्द्रनाम** _____

सूचना

अस्यां परीक्षायां प्रश्नपत्रद्वयं भवति। उभयोः प्रश्नपत्रयोः समाधानार्थं 'घण्टात्रयं' वर्तते।

सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। प्रत्येकं प्रश्ने प्रदत्तेषु विकल्पेषु योग्यतमस्य विकल्पस्य कृते उत्तरपत्रे निश्चितवृत्तं कृष्णीकर्तव्यम्। यदि एकाधिकेषु विकल्पेषु चिह्नाङ्कनं कश्चित् परीक्षार्थी करोति तर्हि उत्तरं निरस्तं भवति। तस्मात् सावधानेन पठित्वा उत्तरविकल्पेषु साधूत्तरविनिश्चयपूर्वकम् एव चिह्नाङ्कनं कर्तव्यम्।

SPECIMEN

प्राक्-शोध-परीक्षा

प्रश्नपत्रप्रारूपम्

द्वितीय प्रश्नपत्रम् ("क" खण्डः)

समयः 11.40—01.10 पर्यन्तम् सम्पूर्णाङ्काः 100

(1) पारस्करगृह्यसूत्रस्य भाषा अस्ति

(क) बौद्धानां (ख) जैनानाम्

(ग) लोकस्य (घ) वेदस्य

उत्तराणि: O O O ●

(2) सूर्यसिद्धान्तः कस्य ग्रन्थः

(क) ऋग्वेदस्य (ख) आयुर्वेदस्य

(ग) ज्योतिर्विज्ञानस्य (घ) गणितस्य

उत्तराणि: O O ● O

(3) वराहमिहिरः कस्य शास्त्रस्य प्रणेता

(क) श्येनशास्त्रस्य (ख) अश्वशास्त्रस्य

(ग) विमानशास्त्रस्य (घ) ज्योतिश्शास्त्रस्य

उत्तराणि: ☐ ☐ ☐ ●

(4) प्रायः पुराणानां सङ्कलनं अभूत्

(क) चालुक्यवंशकाले (ख) बुद्धतः प्राक्

(ग) गुप्तवंशस्य काले (घ) मुगलकाले

उत्तराणि: ☐ ☐ ● ☐

योगः 100 प्रश्नाः

15 आवेदनप्रपत्रविषयकाणि आवश्यकतथ्यानि

1. अस्यां पुस्तिकायां त्रीणि आवेदनपत्राणि संलग्नानि सन्ति- अ, ब, स इति
   (अ+ब) मुख्यम् आवेदनपत्रं अ, ब संस्थानमुख्यालये परीक्षाविभागे निर्धारिततिथिपर्यन्तं प्रेषणीयम्।
   (स) स भागः प्रवेशपत्रम्अस्ति, परीक्षा पाठ्यक्रमे प्रवेशसमये प्रदातव्यः।
2. आवेदनपत्रक्रमाङ्कः एव भवतः/ भवत्याः अनुक्रमाङ्कः भविष्यति।
3. यदि न्यूनतमाः पञ्चदश अभ्यर्थिनः भविष्यन्ति तदैव प्रार्थितः परीक्षाकेन्द्रः मान्यः भविष्यति अन्यथा संस्थाननिर्धारित-केन्द्रे एव गत्वा परीक्षा दातव्या। तदर्थं संस्थानस्य मुख्यालयेन सह सम्पर्कः करणीयः।
4. आवेदनपत्रं ध्यानेन पूरयन्तु समये च समर्पयन्तु। विलम्बेन प्राप्ते सति आवेदनपत्रं न स्वीकरिष्यते।
5. प्रवेशपरीक्षाशुल्केन सह अन्यः कोऽपि शुल्कः न प्रेषणीयः।
6. सफलेभ्यः चितेभ्यः अभ्यर्थिभ्यः सूचना संस्थान/ विद्यापीठ बेबसाईट द्वारा प्रकाशयिष्यते।
7. आवेदनपत्रेषु (त्रिषु अपि नूतनानि दिनांकसहितानि छायाचित्राणि संश्लेषणीयानि।
8. विश्वविद्यालय नाम परीक्षाकेन्द्रं ध्यानेन पूरणीयम्।

15 अ. आवेदनपत्रविषयक ध्यातव्य तथ्य

(1) इस पुस्तिका में तीन आवेदनपत्र संलग्न हैं- **अ, ब, स**
(अ ब आवेदन पत्र) संस्थान के परीक्षा विभाग को भेजना है स (छात्र के लिए प्रवेश पत्र) जो परीक्षा एवं पाठ्यक्रम में प्रवेश के समय दिखाना है।

(2) जो आवेदन पत्र का क्रमांक है वही आपका अनुक्रमांक कहलाएगा।

(3) न्यूनतम 15 छात्र होने पर ही आपको वह परीक्षा केन्द्र मिलेगा जहाँ आपने माँगा है अन्यथा संस्थान द्वारा निर्धारित केन्द्र पर जाकर परीक्षा देनी होगी। इसके लिए आप संस्थान नई दिल्ली से सम्पर्क करें।

(4) आप फार्म सावधानीपूर्वक और समय से भरें। विलम्ब से प्राप्त होने पर आवेदनपत्र स्वीकार नहीं होगा।

(5) प्रवेश परीक्षा शुल्क के साथ अलग से अन्य कोई परीक्षा शुल्क न भेजें।

(6) सफल और चयन होने पर छात्रों की सूची विद्यापीठ की बेबसाईट पर प्रदर्शित की जाएगी।

(7) आवेदनपत्र पर (तीनों पर) नूतन छायाचित्र दिनांक सहित खिंचवाकर ही चिपकायें।

(8) विश्वविद्यालय परीक्षा केन्द्र सावधानी से भरें।

Points to be noted for filling the Application form

1. This booklet contains three application forms **A, B, C.**
   (i) A and B application form to be sent to H. Q. Rashtriya Sanskrit Sansthan Exam. section
   (ii) C application form is for examination at the time of admission.
2. The number given on the form shall also be considered as your Roll Number.
3. The examination centre of your choice shall be granted only if there are minimum 15 candidates. Otherwise the examinee shall be required to appear at the centres fixed by Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University).
4. Kindly fill the form correctly and carefully within time. Late receipted forms shall be rejected straightaway.
5. Do not send any examination fee other than entrance test fee.
6. List of Selected candidates will be displayed on Sansthan Web.site.
7. Please paste three latest photographs (with date) on all the three copies of the application form.
8. Please fill the University examination centre carefully.

अनुक्रमाङ्क संख्या.....
Roll.No.

अ — आवेदनपत्रम्

(मुख्यालयपरीक्षाविभागाय)

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्,

मानितविश्वविद्यालयः

56-57 इन्स्टीट्यूशनल एरिया, (डी-ब्लाक) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा-2014

आवेदनपत्रसमर्पणतिथिः 05-07-2014

नूतनं छायाचित्रम् दिनाङ्कयुक्तम्

परीक्षातिथिः	19-07-14

समयः	10.00 वादनतः

(परीक्षार्थिना/परीक्षार्थिन्या स्वहस्तेन पूरणीयम्)

1. **परीक्षाकेन्द्रनाम**
2. **विश्वविद्यालयस्य नाम (यत्र प्रवेशः इष्यते)**
3. **संस्थानपरिसरस्य नाम (संस्थानछात्राणां कृते)**
4. **अधीतविषयनाम** (स्नातकोत्तरकक्षायाम्)
5. **अभीष्टशास्त्रनाम्** (वि.वारिधि कर्तुमिच्छति)
6. **परीक्षाविषयः**

7. प्रार्थिनः पूर्णनाम .....

   Name of Applicant (In Capital letters) .....

8. पितुः/पत्युः/ नाम श्री .....

   Father's/Husband's Name .....

9. मातुः नाम श्रीमती.....

   Mother's Name .....

10. जन्मदिनाङ्कः (यथा माध्यमिक/मैट्रिक/हाईस्कूलपरीक्षाप्रमाणपत्रे दत्तः) ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

11. स्थायी गृहसंकेतः .....

    दूरभाषः कार्यालयीयः .....आवासीयः .....मोबाइल.....

12. प्रार्थिनः वर्तमानपत्रसंकेतः.....

    .....दूरभाषः.....

13. उत्तीर्णपरीक्षानाम आचार्य ☐ एम.ए. ☐ शिक्षाचार्य/एम्. एड् ☐ वर्षम्.....प्रतिशतम् ☐☐

14. श्रेणी-अनुसूचितजातिः ☐ अनु.ज.ज. ☐ अन्यथासक्षमः ☐ ओ.बी.सी. ☐ सामान्यः ☐ अल्पसंख्यकः ☐

15. विद्यावारिधि (पीएच.डी.) ☐ जे. आर. एफ. ☐ नेट ☐ अन्यश्च परीक्षानाम लेखनीम् ☐

दिनाङ्कः.....

परीक्षार्थिनः/ परीक्षार्थिन्याः हस्ताक्षरम्

अनुक्रमाङ्क संख्या.....
Roll.No.

ब — आवेदनपत्रम्

(मुख्यालयपरीक्षाविभागाय)

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्,

मानितविश्वविद्यालयः

56-57 इन्स्टीट्यूशनल एरिया, (डी-ब्लाक) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा-2014

आवेदनपत्रसमर्पणतिथिः 05-07-2014

नूतनं छायाचित्रम् दिनाङ्कयुक्तम्

परीक्षातिथिः	19-07-14

समयः	10.00 वादनतः

(परीक्षार्थिना/परीक्षार्थिन्या स्वहस्तेन पूरणीयम्)

1. **परीक्षाकेन्द्रनाम**
2. **विश्वविद्यालयस्य नाम (यत्र प्रवेशः इष्यते)**
3. **संस्थानपरिसरस्य नाम (संस्थानछात्राणां कृते)**
4. **अधीतविषयनाम** (स्नातकोत्तरकक्षायाम्)
5. **अभीष्टशास्त्रनाम्** (वि.वारिधि कर्तुमिच्छति)
6. **परीक्षाविषयः**
7. प्रार्थिनः पूर्णनाम .....

   Name of Applicant (In Capital letters) .....
8. पितुः/पत्युः/ नाम श्री .....

   Father's/Husband's Name .....
9. मातुः नाम श्रीमती.....

   Mother's Name .....
10. जन्मदिनाङ्कः (यथा माध्यमिक/मैट्रिक/हाईस्कूलपरीक्षाप्रमाणपत्रे दत्तः) ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐
11. स्थायी गृहसंकेतः .....

    दूरभाषः कार्यालयीयः .....आवासीयः .....मोबाइल.....
12. प्रार्थिनः वर्तमानपत्रसंकेतः.....

    .....दूरभाषः.....
13. उत्तीर्णपरीक्षानाम आचार्य ☐ एम.ए. ☐ शिक्षाचार्य/एम्. एड् ☐ वर्षम्.....प्रतिशतम् ☐☐
14. श्रेणी-अनुसूचितजातिः ☐ अनु.ज.ज. ☐ अन्यथासक्षमः ☐ ओ.बी.सी. ☐ सामान्यः ☐ अल्पसंख्यकः ☐
15. विद्यावारिधि (पीएच.डी.) ☐ जे. आर. एफ. ☐ नेट ☐ अन्यश्च परीक्षानाम लेखनीम् ☐

दिनाङ्कः.....

परीक्षार्थिनः/ परीक्षार्थिन्याः हस्ताक्षरम्

अनुक्रमाङ्क संख्या.....
Roll.No.

स — आवेदनपत्रम्

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्,

मानितविश्वविद्यालयः

56-57 इन्स्टीट्यूशनल एरिया, (डी-ब्लाक) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा-2014

प्रवेशपत्रम् (छात्रकृते)

आवेदनपत्रसमर्पणतिथिः 05-07-2014

नूतनं छायाचित्रम् दिनाङ्कयुक्तम्

परीक्षातिथिः	19-07-14

समयः	10.00 वादनतः

(परीक्षार्थिना/परीक्षार्थिन्या स्वहस्तेन पूरणीयम्)

1. **परीक्षाकेन्द्रनाम**
2. **विश्वविद्यालयस्य नाम (यत्र प्रवेशः इष्यते)**
3. **संस्थानपरिसरस्य नाम (संस्थानछात्राणां कृते)**
4. **अधीतविषयनाम** (स्नातकोत्तरकक्षायाम्)
5. **अभीष्टशास्त्रनाम्** (वि.वारिधि कर्तुमिच्छति)
6. **परीक्षाविषयः**

7. प्रार्थिनः पूर्णनाम .....

   Name of Applicant (In Capital letters) .....

8. पितुः/पत्युः/ नाम श्री .....

   Father's/Husband's Name .....

9. मातुः नाम श्रीमती.....

   Mother's Name .....

10. जन्मदिनाङ्कः (यथा माध्यमिक/मैट्रिक/हाईस्कूलपरीक्षाप्रमाणपत्रे दत्तः) ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

11. स्थायी गृहसंकेतः .....

    दूरभाषः कार्यालयीयः .....आवासीयः .....मोबाइल.....

12. प्रार्थिनः वर्तमानपत्रसंकेतः.....

    .....दूरभाषः.....

13. उत्तीर्णपरीक्षानाम आचार्य ☐ एम.ए. ☐ शिक्षाचार्य/एम्. एड् ☐ वर्षम्.....प्रतिशतम् ☐☐

14. श्रेणी-अनुसूचितजातिः ☐ अनु.ज.ज. ☐ अन्यथासक्षमः ☐ ओ.बी.सी. ☐ सामान्यः ☐ अल्पसंख्यकः ☐

15. विद्यावारिधि (पीएच.डी.) ☐ जे. आर. एफ. ☐ नेट ☐ अन्यश्च परीक्षानाम लेखनीम् ☐

दिनाङ्कः.....

परीक्षार्थिनः/ परीक्षार्थिन्याः हस्ताक्षरम्

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा-विवरणिका-2014

Combined Vidya-Varidhi (Ph.D.) Entrance Test (CVVET) Guildelines 2014

For the Three Sanskrit Deemed University
Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi
Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati
S.LB.S. Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi

2014

संयोजकः

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्

मानितविश्वविद्यालयः

56-57 इन्स्टीट्यूशनल एरिया, (डी-ब्लाक) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

Co-ordinator

Rashtriya Sanskrit Sansthan

(Deemed University)

56-57, Institutional Area (D-Block) Janakpuri, New Delhi-130058
Ph:28524993/1994/4995 Fax: 28521258
E-mail: rsksexam@yahoo.com, Web: www.sanskrit.nic.in

संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षायाः आवश्यकतिथयः

आवेदनपत्रप्राप्तितिथिः Dates for the receipt of application forms		10.06.14 – 05.07.14
आवेदनपत्रप्रत्यर्पणार्थम् अन्तिमतिथिः (मुख्यालयसंस्थाने) Last date for the submission of application form		05.07.14
परीक्षातिथिः Date of Examination		**19.07.14**
परीक्षासमयः Time of Examination	प्रथमपत्रम् (10 तः 11.30	द्वितीयपत्रम् 11.40 तः 1.10 P.M.
परीक्षापरिणामः Result		20.08.14

शुल्कतालिका
Fee schedule

1.	संयुक्तविद्यावारिधिप्रवेशपरीक्षा Combined Vidya-Varidhi Entrance Test	Rs. 600/- डाक द्वारा रु०. 650/- (नियमपुस्तिका-आवेदनपत्र-परीक्षाशुल्कसहितम्) Rs. 600/- By Post Rs. 650/- (Guidelines, application form and fee for examination)
देय	राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् मानित-विश्वविद्यालयः 56-57 इन्स्टीट्यूशनल एरिया, (डी-ब्लाक) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	Payable, Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University) 56-57, Institutional Area (D-Block) Janakpuri, New Delhi-130058
बैंक का नाम राष्ट्रीयकृत बैंक की कोई भी शाखा द्वारा नई दिल्ली में प्रदेय		Name of Bank Through any Nationalized Bank payable at New Delhi.

इस निर्देशिका में प्रदत्त नियमों/उपनियमों को निरस्त करने/ परिवर्तन करने का पूर्ण अधिकार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के पास सुरक्षित है।
All rights reserved with Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University) New Delhi for cancelling/amending any of the rules/subrules contained in this document.

	चयनित छात्रों के लिए शोध-कार्यतालिका **Schedule for Research-work for the selected candidates.**	तिथियाँ Dates
(i)	परीक्षा परिणाम/ Result	20.08.14
1.	परामर्श/ Councelling	10.09.14
2.	शोधनिर्देशकों की घोषणाAnnouncement of Reserch Guides	15.09.14
3.	शोधप्रारूपसमर्पण Submission of research-synopsis	14.10.14
4.	स्थानीय शोध समिति द्वारा प्रारूपों की समीक्षा Review of synopsises by Departmental/ Local Research Committee	25.10.14
5.	केन्द्रीय शोधमण्डल द्वारा समीक्षा Review by University Research Board	25.11.14
6.	परिणाम की सूचना Communication of the result	15.12.14
7.	(i) नामांकन हेतु प्रवेशशुल्क जमा करने की अन्तिम तिथि Last date of depositing admission fee for registration	25.12.14
	(ii) विलम्बशुल्कसहित with late fee	31.12.14
8.	पाठ्यचर्याकार्यक्रम: परीक्षातिथि:	1.1.2015 से 30.04.2015 30.04.2015
9.	शोधप्रारूप में परिवर्तन की स्थिति में पुन: समर्पण हेतु तिथि Last Date in case, the research-synopsis is to be amended and resubmitted	15.02.15
10.	पुन: पञ्जीकरण Re-registration in such cases	15.04.15

विशेष-तिथि सम्बन्धी परिवर्तन सम्बद्ध कुलपति के अधीनस्थ हैं।

Above mentioned dates can be changed with the approval of the concerned V.C.

महत्त्वपूर्ण सूचना/ Important Notice

(1) सं.वि.वा. परीक्षा निर्धारित केन्द्रों पर निर्धारित नियमानुसार होगी।

(2) 5 जुलाई 2014 तक आवेदनपत्र जिन छात्रों का मुख्यालय नहीं पहुँचेगा वे परीक्षा में नहीं बैठ सकेंगे।

(3) एक बार फिर ध्यान दें- अ, ब आवेदन पत्र परीक्षानियंत्रक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में भेजना है। स फार्म परीक्षा प्रवेश के समय दिखाना हैं।

(4) आवेदनपत्र सहित परीक्षा शुल्क 600 रु. है। पोस्ट द्वारा 650 है।

(5) 15 छात्र से कम शिक्षार्थी होने पर परीक्षा केन्द्र मान्य नहीं होगा। उन्हें अन्य केन्द्र पर जाकर परीक्षा देनी होगी।

(1) The C.V.V.E.T. will be conducted on the prescribed centre as per rule.

(2) Last date for the submission of application form is 5/7/14

(3) Once again pay attention – **A and B** form is for Controller of examination Rashtriya Sanskrit Sansthan H.Q. New Delhi. **C** form will be shown by the condidate at the time of examination admission.

(4) Application cum exam fee is Rs. 600/- by cash Rs.650/- by draft.

(5) Exam. centre will be allotted only on more than 15 students.